[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....
आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 6491 **K**

Unique Paper Code : 2322102301

Name of the Paper : Ancient and Medieval Indian Political Thought

Name of the Course : **B.A. (Prog) Political Science – DSC**

Semester / Annual : III

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Any Five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Critically evaluate the cultural and territorial conception of India as reflected in early Indian political thought.

   प्राचीन भारतीय राजनैतिक चिंतन में निहित भारत की सांस्कृतिक एवं प्रादेशिक अवधारणा का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

2. Discuss the authenticity debate surrounding the Manu Smriti and analyse its implications for understanding ancient social laws.

   मनु स्मृति की प्रमाणिकता से जुड़ी बहस पर विचार कीजिए तथा प्राचीन सामाजिक विधान की समझ पर इसके प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।

3. Explain Brihaspati's conception of statecraft and justice. How does it differ from the Dharmashastric tradition?

   बृहस्पति के राज्य-शास्त्र एवं न्याय के सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। यह धर्मशास्त्रीय परंपरा से किस प्रकार भिन्न है?

P.T.O.

4. Analyse Shukraniti's theory of kingship. How does the text reconcile moral authority with political pragmatism?

शुक्रनीति में प्रतिपादित राजत्व-सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए। यह ग्रंथ नैतिक अधिकार एवं राजनैतिक यथार्थवाद को किस प्रकार समन्वित करता है?

5. Elucidate Kautilya's theory of the state.

कौटिल्य के राज्य-सिद्धांत का विवेचन कीजिए।

6. Discuss the notion of kinship as presented in Aggannasutta. How does it contribute to early Buddhist political discourse?

अग्गन्नसुत्त में वर्णित संबंध-सिद्धांत पर चर्चा कीजिए। यह प्रारम्भिक बौद्ध राजनैतिक विचार में किस प्रकार योगदान देता है?

7. Examine Tiruvalluvar's ethical framework and its relevance for political authority and social harmony.

तिरुवल्लुवर के नैतिक ढाँचे का परीक्षण कीजिए तथा राजनीतिक अधिकार एवं सामाजिक समरसता के संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

8. Discuss the contribution and significance of Basavanna in ancient Indian political thought.

प्राचीन भारतीय राजनैतिक चिंतन में बसवन्ना के योगदान एवं महत्त्व पर चर्चा कीजिए।

9. Explain Advaita philosophy of Shankaracharya and discuss its implications for the concept of sovereignty.

आदि शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन की व्याख्या कीजिए तथा सार्वभौमिकता की अवधारणा पर इसके प्रभावों पर चर्चा कीजिए।

10. Write short notes on **Any Two** of the following :

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Kabir's understanding of syncretism.
कबीर की समन्वयवादी दृष्टि।

(b) Abu Faz'l on Monarchy.
अबुल फ़ज़ल का राजतंत्र-सिद्धांत।

(c) Mandala Theory.
मंडल-सिद्धांत।

(d) Brihaspati on justice.
बृहस्पति की न्याय-संबंधी अवधारणा।